कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)

ग्र.उंपसरूातपण्मगजमदेपवद / हउंपसण्बवउए ˝मइेपजमरूीजजचण्णहतपण्वतहए चीण् थ्ग.0731.2874065

छ शैक्षणिक सत्रः 2025—26 छ

स्थापना वर्षः1963

कक्षा : एम. ए.
Class - M. A.
विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार
Subject – Rural Development & Extension
सेमेस्टर – चतुर्थ
Sem. – IVth

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. पाठ्यकम का कोड – 116
   Course Code – 116
2. पाठ्यकम का शीर्षक – गैर सरकारी संगठन एवं ग्रामीण विकास
   Course Title – Non Government Organisation & Rural Development
3. पाठ्यकम का प्रकार – कौर कोर्स
   Course Type – Core Course
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :— CLO-
   1. छात्राएं गैर सरकारी संगठन से परिचित होंगी।
   2. ग्रामीण विकास में गैर सरकारी संगठन की भूमिका को समझेंगी।
   3. छात्राएं प्रसार कार्य में कार्यकम के कियान्वयन, अवलोकन एवं मूल्यांकन को समझेंगी।
   4. छात्राएं गैर सरकारी संगठन के प्रबंधन का ज्ञान प्राप्त करेगी।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 05 Credit Value - 05
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– **गैर सरकारी संगठन का परिचय :** 1. गैर सरकारी संगठन (छळव्) – अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं 2. गैर सरकारी संगठन – क्षेत्र एवं भूमिका 1. स्वयंसेवी संगठन – अर्थ एवं परिभाषा 2. गैर सरकारी संगठन एवं स्वयंसेवी संगठन में अंतर	
इकाई–2	– **गैर सरकारी संगठनों की संरचना :** 1. गैर सरकारी संगठन की एक ट्रस्ट के रूप में संरचना 2. गैर सरकारी संगठन की एक सोसायटी के रूप में संरचना 3. गैर सरकारी संगठन की एक कम्पनी के रूप में संरचना 1. म.प्र. सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट – 1973	

Contd-------2

26.9.25 26/9/25 26/9/25

इकाई–3	– **गैर सरकारी संगठन का प्रबंधन :** 1. प्रबंधन सिद्धांतों की प्रासंगिकता 2. उद्देश्य व मिशन विवरण 3. योजना 4. संचालन – मार्केटिंग, कर्मचारियों की नियुक्ति, धन की व्यवस्था, प्राजेक्ट पर कार्यान्वयन 5. नियंत्रण – फीडबैक, बजट, कार्यपालन पर नियंत्रण	
इकाई–4	– **गैर सरकारी संगठन एवं ग्रामीण विकास :** 1. ग्रामीण विकास में गैर सरकारी संगठन की भूमिका 2. निगमित सामाजिक जिम्मेदारी 3. सामाजिक किया – अवधारणा, उद्देश्य एवं तकनीक सामाजिक किया में गैर सरकारी संगठन की भूमिका	
इकाई–5	– **अनुदान अभिकरण एवं स्वैच्छिक प्रयास :** 1. जन किया प्रगति एवं प्रौद्योगिकी परिषद ;ढ।च।त्प्द्ध 2. केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड 3. राज्य समाज कल्याण बोर्ड 4. स्वैच्छिक प्रयास प्रोत्साहित करने में सरकार की भूमिका 5. स्वैच्छिक संगठनों की समस्याएं 6. स्वैच्छिक प्रयासों का सुदृढीकरण	
	संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं– 1. एन.जी.ओ. हैण्डबुक, नाभि पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2012 2- Chandra Snehlata : Non Governmental Organisations – Structure, Relevance and function, Kanishka Publishers, New Delhi. 3- Dharamarjan Shivani : NGOs as Prime Movers, Kanishka Publishers, New Delhi 4- Formation and Management of a Trust, Nabhi's Publication, New Delhi 5- CAPART Manual 6- Ikk.Ms; vkstLdj ,oa rstLdj % lektdk;Z] Hkkjr cqd lsUVj] y[kuÅ] 2010 7- ;kstuk] izdk'ku foHkkx] lwpuk ,oa izlkj.k ea=ky;] Hkkjr ljdkj] ifV;kyk gkml] ubZ fnYyhA 8- dq:{ks=] izdk'ku foHkkx] lwpuk ,oa izlkj.k ea=ky;] Hkkjr ljdkj] ifV;kyk gkml] ubZ fnYyhA	

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार

Subject – Rural Development & Extension

सेमेस्टर – चतुर्थ

Sem. – IVth

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14-2 के अनुसार

पाठ्यकम का कोड – 117

Course Code – 117

पाठ्यकम का शीर्षक – ग्रामीण वित्त एवं उद्यमिता विकास

Course Title – Rural Credit & Enternship Development

पाठ्यकम का प्रकार – कौर कोर्स

Course Type – Core Course

पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-

1. छात्राओं को ग्रामीण वित्त की जानकारी प्रदान करना।
2. छात्राओं में सूक्ष्म वित्त के मॉडल एवं सेवाओं की समझ उत्पन्न करना।
3. छात्राओं को उद्यमशीलता तथा उद्यमशीलता की वित्तीय व्यवस्था से अवगत करवाना।

केडिट मान – सैद्धांतिक – 05 Credit Value - 05

कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40

Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40

व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे

इकाई प्रथम – ग्रामीण वित्त और भारत में सूक्ष्म वित्त का आपातकाल :

1. भारत मे ग्रामीण वित्तीय पद्धति और उसकी समझ
2. औपचारिक वित्तीय संस्थाएँ, सहकारी बैंक, भूमि विकास बैंक, व्यापारिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण विकास बैंक और इन सभी का योगदान।
3. ग्रामीण वित्त एवं ग्रामीण विकास, सूक्ष्म वित्त का मूल्यांकन एक उद्योग के रूप में
4. सूक्ष्म वित्त – गरीबी निवारण के लिए प्रभावशाली साधन, पिछले अनुभव से सीखना और ग्रामीण गरीबी की वित्तीय आवश्यकताएं।

इकाई द्वितीय – सूक्ष्म वित्त प्रदान करने वाली कड़ियां :

1. ग्रामीण मॉडल
2. सहकारी मॉडल
3. स्वयं सहायता समूह मॉडल
4. संयुक्त जिम्मेदारी समूह मॉडल
5. व्यवसाय पत्राचार मॉडल

26/09/25

26.9.25

26/9/25

अविरत........2

इकाई तृतीय – सूक्ष्म वित्त सेवाएं और वातावरण में नियमितता :

1. सूक्ष्म वित्त उत्पाद और सेवाएं, सूक्ष्म साख, सूक्ष्म बचत और सूक्ष्म बीमा
2. सूक्ष्मवित्त में लागत और कीमत का निर्धारण, उत्पाद और सेवाओं की दृष्टि से
3. विविध संस्था के वैधानिक स्वरूप और सूक्ष्मवित्त सेवाओं का वितरण
4. परस्पर सहकारी संस्थाएँ

इकाई चतुर्थ – उद्यमशीलता की समझ और लघु उद्यमिता :

1. लघु उद्यमशीलता की धारणा, अर्थ, परिभाषा
2. गरीबों और महिलाओं के उद्योगों की विशेषताएँ
3. लघु उद्यम को जमाने की अवस्थाएं, उद्यम का चक्र
4. उद्यमशीलता की वित्तीय सेवाओं के अलावा विभिन्न सेवाएं व्यावसायिक विकास हेतु व्यापार विकास प्रबंधन

इकाई पंचम – उद्यमशीलता की वित्तीय व्यवस्था :

1. उद्यमशीलता के प्रकार, ग्रामीण उद्यमशीलता का स्वरूप, उत्पाद सेवा व्यापार पर आधारित विभिन्न उद्यमिता
2. ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमिता में नगद प्रवाह
3. उद्यमशीलता की वित्तीय व्यवस्था में कार्यशील पूँजी और प्रारंभिक स्थायी पूँजी की अवधारणा
4. सूक्ष्म उद्यम व्यवस्था की समझ एवं वित्तीय प्रवाह

संदर्भ पुस्तकें –

1. अग्रवाल. आर.सी. एवं अग्रवाल संजय : व्यावसायिक प्रबन्ध के सिद्धांत एवं उद्यमिता, एस.बी.पी.डी. पब्लिशिंग हाउस, आगरा, 2009.
2. सिंह एवं मिश्रा : भारतीय बैंकिंग प्रणाली, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा, 2008.
3. अग्रवाल एवं भारती : उद्यमिता विकास, शिवा प्रकाशन, इन्दौर, 2013.
4. माथुर बी.एल. : कृषि वित्त, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, 2010.
5. मिश्रा पी. : ग्रामीण अर्थशास्त्र, प्रिन्टवैल पब्लिशर्स, जयपुर।

26.9.25

26/9/25

26/09/25

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)

ण्उपसरूातपणमगजमदेपवद / हउंपसणबवउए ृगइपजमरूीजजचरू ृणहतपणवतहए ि थ्ण 0731.2874065

शैक्षणिक सत्रः 2025–26

स्थापना वर्षः1963

कक्षा : एम. ए.
Class - M. A.
विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार
Subject – Rural Development & Extension
सेमेस्टर – चतुर्थ
Sem. – IVth

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. **पाठ्यकम का कोड – 118**
   Course Code – 118
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – ग्रामीण विकास के लिये प्रौद्योगिकी**
   Course Title – Technology & Rural Development
3. **पाठ्यकम का प्रकार – कौर कोर्स**
   Course Type – Core Course
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-**
   1. छात्राएं ग्रामीण विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का महत्व समझेंगी।
   2. छात्राएं ग्रामीण विकास में उपयुक्त उन्नत तकनीकों का ज्ञान प्राप्त करेंगी।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 05 Credit Value - 05**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– **प्रौद्योगिकी मिशन एवं ग्रामीण विकास :** 1. ग्रामीण विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का महत्व 2. ग्रामीण विकास के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकी मिशन 3. वाटरशेड मेनेजमेंट – परिभाषा, आवश्यकता, उद्देश्य एवं लाभ 4. वर्षा जल संग्रहण – आवश्यकता, लाभ एवं तकनीक	
इकाई–2	– **ग्रामीण आवास के लिए तकनीकी :** 1. ग्रामीण आवास – अर्थ, परिभाषा एवं वर्तमान स्थिति एवं समस्याएं 2. ग्रामीण आवास के लिए सस्ती तकनीकें – निर्माण सामग्री, जलरोधक, अग्निशामक 3. ग्रामीण आवास के लिए शासकीय कार्यकम	

Contd-------2

26.9.25 26/9/25 26/9/25

इकाई–3	– **ग्रामीण पेयजल आपूर्ति एवं स्वच्छता :** 1. पेयजल – घरेलू शुद्धिकरण विधियां 2. अपशिष्ट जल निपटान – सोख्ता गड्ढा, किचन गार्डन 3. मानवीय अपशिष्ट निपटान – सस्ते स्वच्छ शौचालय 4. पशु अपशिष्ट निपटान – गोबर गैस संयंत्र, कम्पोस्ट पिट	
इकाई–4	– **कृषि तकनीकी :** 1. जैविक खेती – अर्थ एवं महत्व 2. सिंचाई – ड्रिप सिंचाई, फव्वारा सिंचाई विधि (स्प्रिंगलर मैथड) 3. जैविक उर्वरक एवं खाद – नाडेप कम्पोस्ट, वर्मी कम्पोस्ट एवं 4. जैविक कीटनाशक 5. बीज – अंकुरण, परीक्षण, बीज उपचार, बीज भंडारण 6. मृदा परीक्षण – महत्व एवं मिट्टी संग्रह की विधि, किसान कॉल सेंटर	
इकाई–5	– **ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी :** 1. ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा संकट एवं उपयोग के तरीके 2. ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ऊर्जा के गैर पारंपरिक स्रोत 3. सौर ऊर्जा के उपयोग – सोलर कुकर, सोलर वाटर हीटर, सोलर लाइटिंग 4. ऊर्जा के स्रोत के रूप में बायोमास – बायोगैस	
	संदर्भ पुस्तकें **एवं पत्रिकाएं–** 1. डॉ. माथुर पी.एन. : कृषि प्रसार के सिद्धांत, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 2. श्रीवास्तव जे.पी. : प्रसारिकी, अमन पब्लिशिंग हाउस, मेरठ 3. शर्मा दुर्गाप्रसाद एवं सिंह उम्मेदः कृषि प्रसार के सिद्धांत, भारती भण्डार, बडौत, मेरठ 4. पालीवाल दिनेश कुमार एवं गंगराडे राकेशः मृदा परीक्षण,के.वी.के.,कस्तूरबाग्राम, इन्दौर 5. कुरूक्षेत्र, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, पटियाला हाउस, नई दिल्ली। 6. योजना, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, पटियाला हाउस, नई दिल्ली।	

.....

26.9.25

26/9/25

26/9/25

Governed by Kasturba Gandhi National Memorial Trust

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
ए.उपसरूातपण्मगजमदेपवद / हउंपसण्बवउए मईपजमरूीजजचण्गहतपण्वतहए चीण् थ्ग.0731.2874065
स्थापना वर्ष:1963
शैक्षणिक सत्र: 2025–26

कक्षा : एम. ए.
Class - M. A.
विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार
Subject – Rural Development & Extension
सेमेस्टर – चतुर्थ
Sem. – IVth
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. **पाठ्यकम का कोड – CC-119**
   Course Code – CC -119
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – स्वास्थ्य एवं सामुदायिक पोषण**
   Course Title – Health & Community Nutrition
3. **पाठ्यकम का प्रकार – कौर कोर्स**
   Course Type – Core Course
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-**
   1. छात्राओं को सामुदायिक पोषण की अवधारणा एवं कार्य क्षेत्र से परिचित करवाना
   2. छात्राओं को न्यूनतम खर्च में भोज्य गुणवत्ता में सुधार लाने के उपायों की जानकारी होगी।
   3 छात्राओं को सामुदायिक पोषणिक समस्याओं के उपचार एवं रोकथाम करने में सहायता मिलेगी।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 05 Credit Value - 05**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 75 घंटे**

इकाई प्रथम – स्वास्थ्य एवं सामुदायिक पोषण की अवधारणा :

1. स्वास्थ्य का अर्थ एवं महत्व
2. स्वस्थ भोजन
3. ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं
4. सामुदायिक पोषण – अर्थ, परिभाषा एवं महत्व
5. सामुदायिक पोषण के घटक

इकाई द्वितीय – पोषण स्तर को प्रभावित करने वाले कारक एवं पोषण वृद्धि के उपाय

1. व्यक्तिगत कारक
2. बाह्य कारक
3. खाद्य पदार्थों में मिलावट
4. औद्योगिकीरण
5. अशिक्षा

अविरत........2

पोषण वृद्धि के उपाय –

1. संतुलित एवं पोष्टिक भोजन
2. फल एवं सब्जियां
3. प्रोटीन एवं फायबर वाले खाद्य पदाथ
4. चीनी नमक एवं वसा कम करना

इकाई तृतीय – ग्रामीण स्वास्थ्य समस्याएं/कारण –

1. संकामक रोग – मलेरिया, डायरिया, टी.बी., अस्थमा
2. मातृ एवं शिशु मृत्युदर
3. कुपोषण
4. मानसिक अस्वस्थ्यता – तनाव
5. स्वास्थ्य सेवाओं में कमी

इकाई चतुर्थ – भारत में पोषण समस्याएं/कारण –

1. प्रोटीन, उर्जा कुपोषण
2. सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी

   ए– विटामिन ए

   बी– आयरन

   सी– आयोडीन

   डी– जिंक
3. विटामिन – डी
4. अतिपोषण
6. बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं में कुपोषण

इकाई पंचम – स्वास्थ्य एवं पोषण उत्थान कार्यकम –

1. पोषण से संबंधित राष्ट्रीय कार्यकम –

1.1 विटामिन "ए" की कमी का कार्यकम –

1.1.1 परिचय

1.1.2 लक्ष्य समूह

1.1.3 उद्देश्य

1.1.4 गतिविधियॉ

1.2 राष्ट्रीय आयोडीन की कमी (आईडीडी) कार्यकम –

1.2.1 परिचय

1.2.2 लक्ष्य समूह

1.2.3 उद्देश्य

1.2.4 आईडीडी कार्यकम की प्रगति में योगदान करने वाले कारक

अविरत.....3

26.9.25

1.3 एसएलपी. –

1.3.1 परिचय

1.3.2 लक्ष्य समूह

1.3.3 उद्देश्य

1.3.4 कार्यकम की प्रगति में योगदान देने वाले कारक

1.3.5 गतिविधियॉं

1.4 मध्यान्ह भोजन कार्यकम –

1.4.1 परिचय

1.4.2 लक्ष्य समूह

1.4.3 उद्देश्य

1.4.4 निगरानी तंत्र

1.5 एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) – परिचय, लक्ष्य, समूह, उद्देश्य, आईसीडीएस सेवाएं

1.6 राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय एजेंसियां –

1.6.1 परिचय

1.6.2 मिशन एवं दृष्टीकोण

1.6.3 उद्देश्य

1.6.4 कार्य

1.6.5. नीतियां – ♦ CFTRI, NIN, FAO NIPCCD, CARE, UNICEF, ICMR, ICAR

संदर्भ ग्रंथ –

1 कुलकर्णी ज्योति, हुसैन मुनीरा : सामान्य एवं उपचारात्मक पोषण, शिवा प्रकाशन, 2008
2. जैन, कामिनी : डायटेटिक्स, शिवा प्रकाशन, इन्दौर, 2008
3. कुलकर्णी, ज्योति : सामान्य एवं उपचारात्मक आहार, शिवा प्रकाशन, 2005
4. Swaminathan, M : Essentials of Food & Nutrition, Vol. I & II , Ganesh & Company, Madras, 1978
5. Shukla, P.K. : Nutritional Problems of India, 1982
6. Gopalan, C. : Recent Trends in Nutrition Oxford University Press, 1993.
7. Measuring Change in Nutritional Status, World Health Organisation. Geneva, 1983
8. Swaminathan M : Principal of Nutrition & Dietetics, Ed. 2, Banglore, Bappco,
9. Jelliffe & Jelliffe : Assessment of Nutritional Status in the Community, 1989.
10. Gibson, R: Principles of Nutritional Assement, Oxford University, 1990.

26.9.25

26/9/25

26/9/25

...ed by Kasturba Gandhi National Memorial Trust

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
ईउंपसरूातपण्मगजमदेपवद/हउंपसण्बवउए"मइेपजमरूीजजचरूण्णहतपण्वतहए थ्पद थ्.0731.2874065
शैक्षणिक सत्रः 2025–26
स्थापना वर्षः1963

कक्षा : एम. ए.

Class - M. A.

विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार/समाजशास्त्र

Subject – Rural Development & Extension/Sociology

सेमेस्टर – चतुर्थ

Sem. – IVth

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश कमांक 14–2 के अनुसार

1. पाठ्यकम का कोड – 120/CC44
   Course Code – 120/CC44
2. पाठ्यकम का शीर्षक – विज्ञान प्रौद्योगिकी और समाज
   Course Title – Science Technology & Society
3. पाठ्यकम का प्रकार – मूल्य संवर्धक पाठ्यकम (वैकल्पिक)
   Course Type – Value Aded Course
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-

12. छात्र कृषि आधारित समाजों से लेकर उत्तर औद्योगिक समाजों तक प्रौद्योगिकी के विकास और इसके सामाजिक संरचनाओं, राजनीतिक प्रक्रियाओं और मानव संबंधों पर प्रभाव को समझेंगे।
13. छात्र संचार प्रौद्योगिकीयों की भूमिका का विश्लेषण करेंगे जो सामाजिक इंटरएक्शन, सांस्कृतिक सीमाओं और मीडिया परिदृश्यों को बदलने में योगदान करती है।
14. छात्राएं कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित नैतिक, सांस्कृतिक और कानूनी चुनौतियों का मूल्यांकन करेंगे और इसके शिक्षा, श्रम और शासकीय प्रक्रियाओं पर प्रभाव को समझेंगे।
15. छात्र साइबर सुरक्षा, साइबर कानूनों और डिजिटल युग में साईबर अपराधों के सामाजिक प्रभावों का समग्र दृष्टिकोण विकसित करेंगे।

5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 02 **Credit Value - 02**
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	– प्रौद्योगिकी और समाज : – 8. प्रौद्योगिकी का ऐतिहासिक विकासः कृषि से लेकर उत्तर औद्योगिक समाजक तक। 9. प्रौद्योगिकी और राजनीतिक प्रकियाएँः निगरानी, शासन और शक्ति 10. राज्यय नीतियॉ, डिजिटल विभाजन और सामाजिक समावेशन 11. प्रौद्योगिकी और परिवर्तनः परिवार और नातेदारी, स्वास्थ्य प्रणालियों, कृषि और खाद्य सुरक्षा। गतिविधि – तकनीकी विकास (कृषि से डिजिटल युग तक) के किसी एक चरण का चार्ट बनाकर उसमें हुए परिवर्तन को दर्शाएं।	

Contd—2

26/9/25 26/9/25 26/9/25

इकाई–2	– डिजिटल **समाज** : – 9. डिजिटल समाज की अवधारणाः परिभाषा और अध्ययन क्षेत्र 10. डिजिटल संस्कृति पर समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण 11. वियोजन, विक्षेत्रीकरण और सामाजिक दूरीकरण (गिडेंस और उससे आगे) डिजिमॉडर्निज्म और लिक्विड मॉडनिटी (बॉमन) 12. ग्लोकलाइजेशन और स्मार्ट स्पेस का उदय **गतिविधि** – डिजिटल संस्कृति के किसी एक पहलू (जैसे सोशल मीडिया, वर्चुअल रिलेशनशिप) में समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण लिखें।	
इकाई–3	– **नेटवर्क समाज** : – 8. काल–स्थान संकुचन और संजालित सामाजिकता (कास्टेल्स) 9. वैश्विक प्रवाह, स्थानीय सीमाएँ और सांस्कृतिक संकरता 10. आभासी समुदाय और सोशल मीडिया की गतिशीलता 11. मीडिया का विकासः प्रिंट से सोशल मीडिया तक **गतिविधि** – सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के उदाहरणों के माध्यम से आभासी समुदाय की विशेषताएं सूचीबद्ध करना।	
इकाई–4	**कृत्रिम बुद्धिमत्ता और समाज** : – 7. कृत्रिम बुद्धिमत्ता का परिचयः अवधारणाएं, वर्गीकरण और उपकरण 8. मिशेल फूको का ज्ञान–शक्ति संबंध और एल्गोरिद्म शासन 9. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और कार्य, शिक्षा और कौशल विकास का भविष्य 10. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सामाजिक संस्थाओं का पुनर्गठन, परिवार, समुदाय और लोकतंत्र 11. कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक, कानूनी और सांस्कृतिक आयाम **गतिविधि** – एक उदाहरण द्वारा बताएं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से भविष्य में शिक्षा या रोजगार कैसे प्रभावित हो सकता है।	
इकाई–5	**साईबर दुनिया और साइबर अपराध** : – 9. साइबर स्पेस का उदयः परिभाषाएं और अध्ययन क्षेत्र 10. साइबर सुरक्षा बनाम साइबर कानूनः अवधारणाएं और चिंताएं 11. साईबर अपराध बनाम पारंपरिक अपराधः मुख्य अंतर, प्रकार और प्रकृति 12. साइबर कानून का क्षेत्राधिकार और दायराः आईटी अधिनियम 2000 और संशोधन 13. साइबर अपराधों के प्रकार और समाजशास्त्रीय निहितार्थ **गतिविधि** – साइबर अपराध को लेकर कक्षा में एक डिबेट कांम्पटीशन रखी जाए।	
	संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं – 1. Nazimuddin Ahmed: Impact of Science & Technology and Society. 2. Board Leonhard: Technology vs Humanity. 3. IGNOU & other centrally/state operated University/OMMC platforms such as SWAYAM in India and Abroad.	

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
ई.उंपसरूातपण्मगजमदेपवद / हउंपसण्बवउए मईपजमरूीजजचण्णहतपण्वतहए फोन 0731.2874065
स्थापना वर्ष:1963

शैक्षणिक सत्र: 2025–26

कक्षा : एम. ए.
Class - M. A.
विषय – ग्रामीण विकास एवं प्रसार / समाजशास्त्र
Subject – Rural Development & Extension/Sociology
सेमेस्टर – चतुर्थ
Sem. – IVth
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अध्यादेश क्रमांक 14-2 के अनुसार

1. **पाठ्यक्रम का कोड – 120/CC45**
   Course Code – 120/CC45
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – कृत्रिम बुद्धिमत्ता और समाज**
   Course Title – Artifical Inteligance & Society
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – मूल्य संवर्धित पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)**
   Course Type – Value added Course
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :– CLO-**
   1. विद्यार्थी आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस और समाज पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, छात्र निम्न कार्य करने में सक्षम होंगे।
   2. आर्टीफिशियल इंटेजिलेंस और इसके सामाजिक प्रभाव को समझने के लिए प्रासंगिक समाजशास्त्रीय अवधारणाओं, सिद्धांतों और दृष्टिकोणों की व्याख्या कर सकेंगे।
   3. मूल्यांकन करें कि कैसे एआई. तकनीकें समकालीन समाज में मानव व्यवहार, सामाजिक संबंधों, संस्थानों और पहचानों को नया रूप दे रही है।
   4. निगरानी, पूर्वाग्रह, गोपनीयता, भेदभाव और श्रम विस्थापन जैसे एआई. से संबंधित नैतिक चिंताओं और सामाजिक परिणामों की पहचान करें और उनकी आलोचना करें।
   5. एआई. शासन पर राष्ट्रीय और वैश्विक नीतियों और न्यायसंगत और समावेशी एआई. प्रणालियों को आकार देने में समाजशास्त्रीयों की भूमिका का विश्लेषण करें। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पुलिस और रोजगार जैसे क्षेत्रों में एआई. अनुपयोगों से जुडे वास्तविक दुनिया के केस स्टडीज की जॉच करने के लिए समाजशास्त्रीय तरीकों और रूपरेखाओं का उपयोग करें।
5. **क्रेडिट मान – सैद्धांतिक – 02 Credit Value - 02**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 40**
   Total Marks - 40+60=100 Minum Passing Marks - 40
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान घण्टे
इकाई–1	**कृत्रिम बुद्धिमत्ता का परिचय : –** 1. अर्थ, परिभाषा, इतिहास, विकास, विशेषता 2. एआई. के प्रकार, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, टूल टक्स (कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण) 3. समाजशास्त्र में एआई. अध्ययन की आवश्यकता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और समाजशास्त्र में संबंध। **गतिविधि–** कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अर्थ, विकास एवं समाजशास्त्रीय संबंधों पर चार्ट निर्माण।	

Contd—2

26.9.25

26/9/25

26/9/25

इकाई–2	कृत्रिम बुद्धिमत्ता और समाजशास्त्रीय परिपेक्ष्य : – 1. तकनीक पर समाजशास्त्रीय विचार – मैक्स वेबर, वेबलेन, डेनियल वेल 2. मिशेल, फूको के संदर्भ में एआई. 3. समाज का और तकनीकी सामाजिक संरचना। **गतिविधि** – कृत्रिम बुद्धिमत्ता, तकनीक के विश्लेषण पर पोस्टर निर्माण	
इकाई–3	– कृत्रिम बुद्धिमत्ता का मूल्यांकन : – 1. एआई. का पर शिक्षा, रोजगार प्रभाव 2. डिजिटल समाज का मूल्यांकन 3. रोबोटिक संस्कृति– अर्थ, विशेषता, महत्व, दुष्प्रभाव **गतिविधि** – रोबोटिक संस्कृति और राजगार पर लघु निबंध लेखन	
इकाई–4	कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक सांस्कृतिक आयाम : – 1. कृत्रिम बुद्धिमत्ता – नैतिकता एवं मानव मूल्यों का संघर्ष 2. कृत्रिम बुद्धिमत्ता – कानून, विनियमन 3. कृत्रिम बुद्धिमत्ता – मास मीडिया, चेटबोट, मोबाइजल रोबोर के लाभ–हानि **गतिविधि** – नैतिम दुविधाओं और समाधान पर तालिका निर्माण।	
इकाई–5	कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भविष्य – समुदाय, समूह, पारिवारिक संबंधों पर प्रभाव, लोकतंत्र पर प्रभाव : – 9. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भविष्य – समुदाय, समूह, पारिवारिक संबंधों पर प्रभाव। लोकतंत्र पर प्रभाव। 10. नेटवर्क समाज अवधारणा 11. कृत्रिम बुद्धिमत्ता की जीवन शैली, भविष्य के रोजगार का स्वरूप **गतिविधि** – कृत्रिम बुद्धिमत्ता और लोकतंत्र विषय पर समूह चर्चा।	

संदर्भ पुस्तकें एवं पत्रिकाएं –

1. डॉ. गिरीश वालावकर, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस – माय मिरर पब्लिकेशन हाउस,पुणे
2. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रीना थरेजा, पियर्सन बुक्स दिल्ली।
3. https://nios.ac.in/o
4. nline-course-material/sr-secondary-courses/Sociology-(331).aspx

IGNOU & other centrally/state operated University/OMMC platforms such as SWAYAM in